Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 ◘ अंक- 140 ◘ रायपुर, शनिवार 14 जून 2025 ◘ पृष्ठ-8 ◘ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

लेट से दफ्तर आने वाले सरकारी कर्मचारी हो जाएं सावधान, अटेंडेंस को लेकर नया फरमान जारी

रायपुर, 14 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों के कार्यालय में उपस्थिति को लेकर राज्य सरकार की ओर से नया फरमान जारी किया गया है. नए फरमान के मुताबिक अब प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को सुबह 10 से शाम साढ़े 5 बजे तक कार्यालय में उपस्थित रहना अनिवार्य है. आदेश में कहा गया है कि शासन आदेशों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लोकहित में कार्यालयीन कार्यों के सुव्यवस्थित संचालन के लिए सभी शासकीय/अशासकीय (नियमित, संविदा एवं दैनिक वेतनभोगी) अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आधार-आधारित उपस्थिति प्रणाली को 15 जून 2025 से अनिवार्य रूप से लागू किया जा रहा है. इसके अंतर्गत सभी कर्मचारियों को प्रतिदिन निर्धारित समय पर अपने मोबाइल फोन के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण द्वारा उपस्थिति एवं प्रस्थान दर्ज करना अनिवार्य होगा. सभी कार्यालय प्रमुख यह सुनिश्चित करें कि आपके अधीनस्थ संस्थानों में एनआईसी के तकनीकी सहयोग से आधार आधारित उपस्थिति प्रणाली को समय पर स्थापित कर लिया जाए। इसके लिए एनआईसी से आवश्यक समन्वय कर तकनीकी आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करें.

इस व्यवस्था की नियमित समीक्षा की जाएगी. यदि कोई अधिकारी/कर्मचारी निर्धारित समय सीमा में उपस्थिति दर्ज कराने में विफल पाया जाता है तो संपूर्ण जिम्मेदारी उक्त अधिकारी/कर्मचारी के साथ संबंधित संस्था प्रमुख की होगी. यह व्यवस्था न केवल शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, बल्कि यह यह भी सुनिश्चित करती है कि सभी अधिकारी/कर्मचारी अपने कार्यस्थल में समय पर उपस्थित होकर उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं.

एक ही परिवार के 5 सदस्यों ने खाया जहर 3 मासूमों की मौत, माता-पिता अस्पताल में भर्ती

कांकेर, 14 जून (हाईवे चैनल)। कांकेर जिले से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। परतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चन्दनपुर अंतर्गत ग्राम पी. व्ही. 70 शांतिनगर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। इस दर्दनाक घटना में परिवार के तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई है। मृत बच्चों की पहचान वर्षा बैरागी (उम्र 11 वर्ष), दीप्ती बैरागी (उम्र 7 वर्ष) और देवराज बैरागी (उम्र 5 वर्ष) के रूप में हुई है।

माता-पिता ने भी जहर खाकर जान देने की कोशिश की, लेकिन उन्हें समय रहते सिविल अस्पताल पखांजूर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। अभी तक जहर खाने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्राथमिक तौर पर मामला घरेलू परेशानी हो सकता है। पूरा मामला परतापुर थाना क्षेत्र का है और पुलिस द्वारा विस्तृत जांच जारी है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि आत्म हत्या का कारण क्या है। फिलहाल जांच जारी है।

ब्रेकिंग न्यूज

डयूटी में लापरवाही, एएसआई, प्रधान आरक्षक समेत 6 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बलरामपुर, 14 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के पुलिस कप्तान ने ड्यूटी में घोर लापरवाही बरतने वाले 6 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है. इन पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई के दौरान घोर लापरवाही बरतने का आरोप है. इसकी शिकायत मिलने के बाद एसपी वैभव बैंकर ने एसआई, प्रधान आरक्षक, आरक्षक समेत 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है. जिन पुलिसकर्मियों के खिलाफ एक्शन लिया गया है, वह सभी राजपुर थाने में पदस्थ थे. बताया गया कि 12 जून को थाना राजपुर के सामने मोटर व्हीकल एक्ट की कार्रवाई की जा रही थी. इस दौरान एसआई, प्रधान आरक्षक, आरक्षक समेत 6 पुलिसकर्मियों ने घोर लापरवाही बरती. इस मामले में पुलिस अधिक्षक ने निलंबन की कार्रवाई करते हुए कहा कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं किए जाएंगे.

ओडिशा-झारखंड सीमा पर ईआईडी ब्लास्ट में शहीद हुए जवान

नई दिल्ली, 14 जून (न्यूज चैनल)। ओडिशा-झारखंड सीमा के पास घने सारंडा जंगल में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान एक आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ का एक जवान शहीद हो गया। शहीद जवान, सहायक उपनिरीक्षक सत्यवान कुमार सिंह, उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के रहने वाले थे और सीआरपीएफ की 134वीं बटालियन का हिस्सा थे। वह माओवादियों द्वारा कथित रूप से लूटे गए विस्फोटकों का पता लगाने और उन्हें बरामद करने के लिए ओडिशा पुलिस, झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ के साथ एक संयुक्त अभियान में शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान 27 मई को ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक पत्थर खदान के पास माओवादियों के छापे के मद्देनजर शुरू किया गया था, जिसके दौरान कथित एएसआई सत्यवान कुमार सिंह की मौत हो गई।

नए मरीन ड्राइव निर्माण के लिए तोड़फोड़ शुरू, घर बचाने महिलाओं ने किया जमकर विरोध

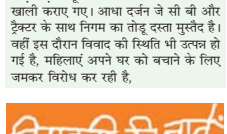

रायगढ़, 14 जून (हाईवे चैनल)। प्रगति नगर में नए मरीन ड्राइव निर्माण के लिए तोड़फोड़ शुरू हो गई है। भारी पुलिस बल और निगम की टीम मौके पर मौजूद है। तोड़फोड़ के पूर्व वार्डवासियों के घरों से समान खाली कराए गए। आधा दर्जन जे सी बी और ट्रैक्टर के साथ निगम का तोड़ू दस्ता मुस्तैद है। वहीं इस दौरान विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो गई है, महिलाएं अपने घर को बचाने के लिए जमकर विरोध कर रही है,

चूहा- सुनती हो, ईंडी कवासी लखमा और हरीश लखमा की सम्पत्ति कुर्क कर रही है।

चुहिया- हां जी, लेकिन भ्रष्टाचार की संपत्ति अपने नाम पर नहीं रखते हैं..!

प्रदेश में 16 से शुरू होगा शाला प्रवेश उत्सव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जनप्रतिनिधियों से की सहभागिता की अपील

शिक्षा को जनअभियान बनाने की दिशा में राज्य सरकार की नई पहल

रायपुर, 14 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में आगामी 16 जून 2025 से नया शिक्षा सत्र प्रारंभ होने जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के समस्त जनप्रतिनिधियों को पत्र लिखकर शाला प्रवेश उत्सव में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। यह आयोजन राज्य में शिक्षा के क्षेत्र को सशक्त बनाने और शत-प्रतिशत बच्चों का विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रदेश को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने का लक्ष्य चुनौतीपूर्ण अवश्य है, परंतु यह असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि असंभव को संभव बनाने के लिए समाज के हर वर्ग को मिलकर सार्थक प्रयास करने होंगे। इसके लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि कोई भी बच्चा विद्यालय से वंचित न रहे और सभी बच्चों का समय पर प्रवेश सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी उल्लेख किया कि राज्य में शिक्षा का अधिकार अधिनियम प्रभावशील है, तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यह सुनिश्चित किया गया है कि कक्षा 12वीं तक शाला त्याग दर को धीरे-धीरे शून्य किया जाए। इसके लिए शैक्षणिक अवरोधों को पहचानकर उन्हें दूर करने की जिम्मेदारी सभी हितधारकों की साझा है।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान, एक ठोस पहल- मुख्यमंत्री साय ने जानकारी दी कि राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान की शुरुआत की जा रही है, जिसका उद्देश्य शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारना है। इसके साथ ही, सरकार द्वारा शिक्षकों एवं विद्यालयों का युक्तियुक्तकरण करते हुए शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों में शिक्षकों की प्राथमिकता से पदस्थापना की गई है, जिससे शिक्षा का अधिकार हर बच्चे तक पहुंच सके।

अधोसंरचना विकास सरकार की प्राथमिकता- मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य में स्कूल शिक्षा क्षेत्र की अधोसंरचना और मूलभूत सुविधाओं के विकास को सरकार ने अपनी शीर्ष प्राथमिकताओं में रखा है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे शाला प्रवेश उत्सव के दौरान अपने-अपने क्षेत्रों में व्यक्तिगत सहभागिता करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा विद्यालय से बाहर न रहे।

सामाजिक सहभागिता से संवरता भविष्य- मुख्यमंत्री ने कहा, हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे इस परिकल्पना को साकार करने के लिए हम सभी को मिलकर परिणाममूलक कार्य करने होंगे। उन्होंने आशा जताई कि सभी जनप्रतिनिधि इस अभियान का नेतृत्व कर सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे और छत्तीसगढ़ को एक शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शाला प्रवेश उत्सव को बनाएं जनअभियान- मुख्यमंत्री के इस पत्र को राज्य में शिक्षा को लेकर एक जनांदोलन की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। इससे न केवल बच्चों की स्कूल तक पहुंच बढ़ेगी, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और सामाजिक सहभागिता को भी एक नई दिशा मिलेगी। प्रदेश सरकार के इस प्रयास से उम्मीद की जा रही है कि छत्तीसगढ़ शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करेगा और शिक्षा के माध्यम से सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण को गति मिलेगी।

45 दिन में 28 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन केदारनाथ पहुंचने वालों का आंकड़ा 10 लाख पार

नई दिल्ली, 14 जून (न्यूज चैनल)। चारधाम यात्रा में देश दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। 45 दिन की यात्रा में अब तक 28 लाख से अधिक श्रद्धालु चारों धामों के अलावा हेमकुंड साहिब में दर्शन कर चुके हैं। इसमें केदारनाथ धाम में दर्शन करने वालों का आंकड़ा 10 लाख पार हो गया है। प्रतिदिन 70 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं।

इस बार चारधाम यात्रा का आगाज 30 अप्रैल से हुआ। मौसम की चुनौतियों के बाद भी चारों धामों व हेमकुंड साहिब में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ है। पर्यटन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री धाम की यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है। खराब मौसम भी श्रद्धालुओं की परीक्षा ले रहा हैं। इसके बावजूद आस्था के कदम थम नहीं रहे हैं। यात्रा के लिए ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन पंजीकरण की व्यवस्था है। हरिद्वार, ऋषिकेश, हर्बटपुर, विकासनगर में केंद्रों में ऑफलाइन पंजीकरण की संख्या बढ़ रही है। एक दिन 28 हजार तक ऑफलाइन पंजीकरण हो रहे हैं। चारधाम यात्रा पंजीकरण के नोडल अधिकारी योगेंद्र गंगवार का कहना है कि चारधाम यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। अब तक 42 लाख यात्रियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें से करीब 28 लाख से अधिक दर्शन कर चुके हैं।

राम मंदिर निर्माण पर अब तक 1621 करोड़ का खर्च, अप्रैल 2026 तक ही पूरा हो पाएगा मंदिर

नई दिल्ली, 14 जून (न्यूज चैनल)। राम मंदिर को दिव्य-भव्य बनाने में अब तक 1621 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। वित्तीय सत्र 2024-25 में मंदिर निर्माण समेत अन्य योजनाओं पर 652 करोड़ का खर्च आया है। सात जून को मणिराम दास की छावनी में हुई ट्रस्ट की बैठक में आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया था। इसमें मंदिर निर्माण पर हुए खर्च का विवरण भी प्रस्तुत किया गया।

राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के निर्माण का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र, सप्त मंडपम, पुष्करणी का भी निर्माण कार्य पूरा है, अब केवल फिनिशिंग चल रही है। राम मंदिर के चारों ओर आयताकार परकोटा बन रहा है। इसके निर्माण का अभी 20 फीसदी काम बाकी है। इसी तरह शेषावतार मंदिर का भी करीब 20 फीसदी निर्माण कार्य शेष है। मंदिर निर्माण की शुरुआत पांच अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने की थी। पिछले साढ़े चार सालों में मंदिर निर्माण पर करीब 1200 करोड़ व अन्य योजनाओं पर 400 करोड़ से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। मंदिर परिसर में अभी दक्षिण दिशा में प्रवेश द्वार का निर्माण चल रहा है। इसके बाद गेट नंबर तीन पर द्वार का निर्माण होगा। दक्षिण दिशा में ही संग्रहालय, विश्रामालय व ट्रस्ट कार्यालय भवन का भी निर्माण किया जाना है। इसके अलावा सरयू तट स्थित रामकथा संग्रहालय के सुंदरीकरण का काम लगातार जारी है। इस सभी निर्माण कार्यों को पूरा करने की समय सीमा अप्रैल 2026 तय की गई है। मंदिर समेत परिसर में निर्माणाधीन अन्य प्रकल्पों के निर्माण में कुल दो हजार करोड़ खर्च होने का अनुमान राम मंदिर ट्रस्ट ने लगाया है। राम मंदिर ट्रस्ट ने मार्च से मई के बीच तीन माह में कुल 10, 433 वर्ग फीट जमीन एक करोड़ 55 लाख 40 हजार 800 रुपये में खरीदी है। बाग बिजेसी में कुल 3060 स्क्वायर फीट जमीन 47 लाख 20 हजार 800 रुपये में खरीदी गई है।

क्या एयर इंडिया हादसा एक साइबर हमला था? उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 14 जून (न्यूज चैनल)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना को लेकर गंभीर सवाल उठाए। हादसे में 241 लोग मारे गए थे। उन्होंने पूछा कि क्या किसी दुश्मन देश की ओर से विमान की प्रणाली पर कोई साइबर हमला किया गया था। हाल ही में दुश्मनों ने अपने साइबर हमलों से भारत के सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी।

उन्होंने कहा कि मैं कोई विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन अहमदाबाद में उड़ान भरने के 30 सेकंड के भीतर दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया विमान की घटना के बारे में गंभीर सवाल हैं। क्या किसी दुश्मन देश की ओर से विमान की प्रणाली पर कोई साइबर हमला किया गया था? संजय राउत ने मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रखरखाव विमानन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बारे में कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा, जब बोइंग डील हुई थी, तब भाजपा इसके खिलाफ थी और उस समय प्रफुल्ल पटेल नागरिक उड्डयन मंत्री थे। लोग अब हवाई यात्रा करने से डरते हैं। विमानन क्षेत्र के लिए रखरखाव सबसे महत्वपूर्ण है। अहमदाबाद के रखरखाव का ठेका किसके पास है? इसके लिए अहमदाबाद को ही क्यों चुना गया? अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाली फ्लाइट के साथ दुर्घटना क्यों हुई? विमान के मलबे पर जिस तरह से मंत्री व्यवहार कर रहे थे, वह वाकई दुखद है।

इस्राइली सेना ने भारत का गलत नक्शा दिखाया तो लगी लताड़, गलती का एहसास कर मांगी माफी

नई दिल्ली, 14 जून (न्यूज चैनल)। इस्राइल सुरक्षा बलों ने भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं का गलत नक्शा पोस्ट करने के लिए माफी मांग ली है। नक्शे में जम्मू और कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया था। आईडीएफ ने गलती का एहसास करते हुए कहा कि नक्शा सीमाओं को सटीक रूप से चित्रित करने में विफल रहा। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि यह सिर्फ इलाके का चित्रण था। आईडीएफ की पोस्ट भारतीय अकाउंट की ओर से किए गए ट्वीट के बाद आई। कई भारतीय अकाउंट्स से मामले को लेकर काफी नाराजगी जताई गई थी। उन्होंने इस गलती को इस्राइल के सामने रखा और उन्हें गलती का एहसास कराते हुए इस्राइली सेना से पोस्ट को वापस लेने की बात कही। कुछ ने तो इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भी टैग किया। भारतीय राइट विंग कम्युनिटी नाम के एक एक्स हैंडल की ओर से किए गए ऐसे ही एक ट्वीट पर सीधे प्रतिक्रिया देते हुए इस्राइल रक्षा बलों ने कहा कि यह पोस्ट क्षेत्र का चित्रण है। यह नक्शा सीमाओं को सटीक रूप से चित्रित करने में विफल रहा है। हम किसी भी तरह की गलती और अपराध के लिए क्षमा चाहते हैं। यह माफी मूल पोस्ट के लगभग 90 मिनट बाद आई। दरअसल, पहले शिकायतकर्ता ने कहा था कि अब आप समझ गए होंगे कि भारत तटस्थ क्यों रहता है। कूटनीति में कोई भी वास्तव में आपका मित्र नहीं है। पिछले कई वर्षों में भारत और इस्राइल के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध तेजी से मजबूत हुए हैं। दिल्ली तेल अवीव के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है, जो केवल अमेरिका, ब्रिटेन, हांगकांग और चीन से पीछे है। भारत सैन्य उपकरणों की बिक्री के लिए इस्राइल के सबसे बड़े ग्राहकों में से एक है। ऐसे में भारत की सीमाओं का गलत नक्शा काफी आश्चर्यजनक था। यह नक्शा शुक्रवार देर शाम एक्स पर पोस्ट किया गया था।

27 साल पहले भी जिंदा बचाया 11 ए ने, 12 जून को फिर उसी सीट ने बचाई भारतीय यात्री की जान

नई दिल्ली, 14 जून (न्यूज चैनल)। एक भयानक विमान हादसे का सामना कर जिंदा बचने वाले थाई अभिनेता-सिंगर रुंगसक लॉइचुसक को एयर इंडिया के हालिया विमान हादसे की खबर सुनते ही एक अजीब और चौंकाने वाली समानता महसूस हुई। रुंगसक ने पाया कि इस बार के हादसे का एकमात्र जीवित बचा यात्री भी उसी सीट नंबर 11 पर बैठा था, जिस सीट पर वे 27 साल पहले सुरक्षित रहे थे।

11 दिसंबर 1998 को, तब 20 वर्षीय रुंगसक थाई एयरवेज फ्लाइट टीजी261 में सवार थे। यह विमान दक्षिणी थाईलैंड में लैंडिंग के दौरान अचानक नियंत्रण खो बैठा और एक दलदली क्षेत्र में जा गिरा। इस दुर्घटना में कुल 146 यात्रियों में से 101 की मौत हो गई, लेकिन रुंगसक उस भीषण हादसे से बाल-बाल बच गए थे। उस समय उनका सीट नंबर भी 11ए था। हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही एयर इंडिया के बोइंग ड्रीमलाइनर विमान-ड्रु171 का दुर्घटनाग्रस्त होना और उसमें सवार 242 लोगों में से सिर्फ एक ही यात्री बच पाया। वह था ब्रिटिश नागरिक विश्वास कुमार रमेश। रमेश भी उसी सीट 11ए पर बैठे थे जहां रुंगसक 27 साल पहले बैठे थे। रुंगसक ने अपनी मौत से बचने की कहानी कई बार बताई है। उस हादसे के बाद उन्होंने लगभग दस साल तक हवाई यात्रा नहीं की क्योंकि वह उस हादसे का मानसिक दर्द और 'सर्वाइवर गिल्ट' महसूस करते थे। रुंगसक अपने जीवन को दूसरी जिंदगी बताते हैं। उन्होंने एयर इंडिया हादसे से प्रभावित परिवारों के प्रति गहरा दुख भी व्यक्त किया। विश्वास कुमार रमेश, जो इस विमान हादसे के बाद अस्पताल से बोले, ने बताया कि वे नहीं समझ पा रहे हैं कि वे कैसे बच गए जबकि सभी अन्य यात्री मारे गए। उन्होंने कहा, मुझे लगा मैं भी मर जाऊंगा, लेकिन जब मैं होश में आया तो मैंने अपनी सीट बेल्ट खोलकर विमान से बाहर निकलने की कोशिश की। रमेश के इस चमत्कारी बचाव के बाद से विमान यात्रियों में आपातकालीन निकास सीटों खासकर 11ए सीट की मांग में तेजी आई है। सोशल मीडिया पर भी लोग इस सीट को बुक करने के लिए उत्सुक हो रहे हैं।